स्प्रिंग मिडोज़ पब्लिक स्कूल

अभ्यास पत्रिका 1—2020—21

कक्षा : सातवीं **विषय : हिंदी व्याकरण**

उपविषय : वर्ण विचार

पाठ परिचय

वर्ण — वर्ण वह ध्वनि है जिसके और खंड नहीं किए जा सकते।

वर्णमाला — किसी भाषा के सभी वर्गों के व्यवस्थित तथा क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

हिंदी वर्ण माला में वर्ण दो प्रकार के होते हैं।

वर्ण
- **स्वर**
- **व्यंजन**

स्वर — जिन वर्णो का उच्चारण स्वतंत्र रूप से अथवा जिन वर्णो के उच्चारण में श्वास— वायु बिना किसी रूकावट के मुख से निकलती है, उन्हें स्वर कहते हैं।

ये संख्या में ग्यारह होते हैं—

स्वर के तीन भेद होते हैं —

स्वर

- **ह्रस्व स्वर** — उच्चारण में कम समय लगता है। ये चार हैं अ, इ, उ, ऋ
- **दीर्घ स्वर** — उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है ये सात हैं आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
- **प्लुत स्वर** — उच्चारण में दीर्घ स्वरो से भी अधिक समय लगता है। ओऽम् राऽम्

अयोगवाह : अनुस्वार (ं) और विसर्ग (:) दोनों ध्वनियाँ न स्वर हैं और न व्यंजन। इन दोनों के साथ योग नहीं हैं; अतः ये अयोगवाह कहलाती है। ये केवल दो हैं—अं और अः।

अनुनासिक — जो स्वर मुख और नाक से बोले जाते हैं, वे अनुनासिक स्वर कहलाते हैं। इसका चिह्न चंद्र बिंदु (ँ) है। जैसे पाँच, गाँव आदि।

अनुस्वार — जिस स्वर का उच्चारण करते समय हवा नाक से निकलती है, उसे अनुस्वार कहते हैं। इसका चिह्न (ं) है जैसे — कंठ, बंदर आदि

व्यंजन — वे वर्ण, जिनका उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है अथवा जिन वर्णो का उच्चारण करते समय वायु मुख के किसी भाग से टकराती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। व्यंजन को तीन वर्गो में बांटा गया है—

व्यंजन

- **स्पर्श**
  - कवर्ग—क, ख, ग, घ, ड.
  - चवर्ग — च, छ, ज, झ, ञ
  - टवर्ग—ट्, ठ, ड, ढ, ण
  - तवर्ग — त, थ, द, ध, न
  - पवर्ग — प, फ, ब, भ, म
- **अंतस्थ**
  - य, र, ल, व
- **ऊष्म**
  - श, ष, स, ह

संयुक्त व्यंजन – दो अलग–अलग व्यंजनों के मेल से बनने वाले व्यंजन को संयुक्त व्यंजन कहते हैं। ये चार हैं– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

द्वित्व व्यंजन – जब दो समान व्यंजनों का प्रयोग साथ–साथ हो और उनमें से एक हलंत हो, तो उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं।

जैसे – दिल्ली, रस्सी, खट्टा आदि।

वर्ण विच्छेद – शब्द में प्रयुक्त स्वर व्यंजनों को अलग–अलग करना वर्ण–विच्छेद कहलाता है।

जैसे – धार्मिक – ध् + आ + र् + म् + इ + क + अ

विस्मय – व् + इ + स् + म् + अ + य् + अ

अभ्यास कार्य – 1

नाम : .... कक्षा : .... वर्ग :............. दिनांकः ....

1. उचित शब्द द्वारा रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए–

1. वर्णों के समूह को .... कहते हैं।

2. वर्ण के दो भेद हैं 1. .... 2. ....

3. उष्म व्यंजन ....हैं।

4. अ, इ, उ, ऋ .... स्वर हैं।

2. सही विकल्प के आगे सही का चिह्न लगाइए–

क. स्वरों की संख्या .... है।

1. ग्यारह 2. सात 3. दस

ख. व्यंजन की संख्या .... है।

1. बत्तीस 2. तैंतीस 3. दस

ग. अनुनासिक का चिह्न है –

1. –ं 2. –ँ 3. :

घ. .... स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से दुगुना समय लगता है।

1. ह्रस्व 2. दीर्घ 3. प्लुत

3. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार (–ं) अनुनासिक (–ँ) और विसर्ग (:) का उचित स्थान पर प्रयोग कीजिए–

आख	पसद	दुशासन
कपन	साप	प्रात

4. क्क, द्य, द्व द्वित्व व्यंजन का प्रयोग करते हुए दो–दो शब्द बनाइए –

क्क ....

ल्ल ....

5. निम्न शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए–

व्यवस्थित ....

विद्यालय ....

तृतीय ....

उज्ज्वल ....

6. निम्नलिखित वर्णो के मेल से शब्द बनाइए–

म् + ऋ + ग् + अ – ....

ई + द् + अ + ग् + आ + ह् + अ ....